

बिहार सरकार
ग्रामीण विकास विभाग

पत्रांक 150306
या0वि0 11/आंकेक्षण वित्त 41/2011

पटना/ दिनांक 30.5.13

प्रेषक

शैलेन्द्र कुमार,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

सेवा में,

सभी उप विकास आयुक्त, -बिहार-

विषय :- वित्त (आंकेक्षण) विभाग, बिहार, पटना, के पत्र सं0 220 दिं0 26.4.12, द्वारा वर्ष वित्तीय वर्ष 1989-90 से 1991-92 में वित्त-आंकेक्षण प्रतिवेदन में सन्निहित गवन्/दुर्विनियोग क्षति/वसूली योग्य राशि को शीघ्र जमा करने एवं दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के संबंध में ।

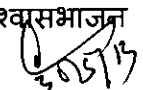
महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक एतद संबंधी विभागीय पत्रों के क्रम में कहना है कि वित्त विभाग के पत्र सं0 220 दिं0 26.04.12 द्वारा वर्ष 1989 - 90 से 1991-92 तक वित्त (आंकेक्षण) विभाग, बिहार, पटना द्वारा किये गये आंकेक्षण में पायी गई सन्निहित गवन्, दुर्विनियोग क्षति, वसूली योग्य राशि को शीघ्र जमा करने और दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने सम्बन्धी प्रतिवेदन अभी तक प्रतीक्षित है, फलतः वित्त (आंकेक्षण) विभाग द्वारा बार-बार स्मारित किये जा रहे हैं और एतद संबंधी आयोजित बैठको में विभाग की छवि धूमिल हो रहीं है सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, द्वारा इसे गंभीरता से लेते हुए निदेश दिया गया है कि यथाशीघ्र अनुपालन सुनिश्चित करायी जाय ।

अतः अनुरोध है कि अविलंब वित्त (आंकेक्षण) विभाग, द्वारा वर्ष 1989-90 से 1991-92 तक के वित्त आंकेक्षण प्रतिवेदन के अनुपालन में प्रखंडों से राशि जमा करते हुए दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर वित्त (आंकेक्षण) विभाग, बिहार पटना, को प्रतिवेदित करे और उसकी सूचना विभाग को अविलंब भेजना सुनिश्चित किया जाय ।

कृपया इसे सर्वोच्चय प्राथमिकता माना जाय ।

विश्वासभाजन


(शैलेन्द्र कुमार)

सरकार के संयुक्त सचिव